



परी ह
सन्धीत इन्द्रपाल शविन्द रवि



निर्मिता राकली

Rajkumar

कायालय एवं कोषागार
दादरी

07 FEB 2008

संख्या नं० 21/15000
स्थान नं० 1

यहाँ प्रमाणित किया गया
एम. रोवडिया

राजकुमार जी० आनंदराय जी० लालपुर
(मौ० 35-145)

मनाया 725000/- पैसे 5000
उत्तरा 20/2 5020/- का लगभग 600
श्री 20/2 जीत
पुत्र श्री शिवराय जी० रत्न रत्न
निवासी यशपाल रात्रि वड
ने कार्यालय सय तहसील रात्रि जिला
मौलाना बुद्ध नगर में आज दिनांक 7-2-08
समय मध्य 4... व 5... बजे प्रस्तुत किया।

रत्न रत्न दादरी
7/2/08

इस संपत्ति का संपादन एवं इसमें लिखे
संख्या नं० 725000 पुनर्स्थापित करा
जिसमें से
नगद मेरे सम्पत्ति परकर उत्तरा श्री

श्री रत्न जीत व. रत्न पाल प्रमाण स्व श्री
श्री शिवराय व. रत्न रत्न पुत्र गणेश
शिव सिद्ध व. श्री गीत रात्रि वड 5/0 रत्न श्री शिव सिद्ध 1/0
पुनर्स्थापित मे स्वीकार किया





विक्रीत भूमि की बाबत क्रेता व विक्रेता दोनों पक्षों के मध्य पूर्व में कोई इकरारनामा माहदा वय पंजीकृत नहीं हुआ है।

हम कि इन्दरजीत व इन्दरपाल पुत्रगण स्व० श्री रोहताश व रविन्द्र व रवि कुमार पुत्रगण स्व० श्री शिव सिंह व श्रीमती राजकली पत्नी स्व० श्री शिव सिंह जाति जाटव निवासीगण ग्राम चमरावली रामगढ़, परगना व तहसील -दादरी, जिला- गौतमबुद्धनगर (विक्रेतागण, फरीक अव्वल)।

एवम्

राजकुमार पुत्र श्री ओमप्रकाश जाति कोरी, निवासी ग्राम तुगलपुर, तहसील व जिला- गौतमबुद्धनगर (उत्तर प्रदेश) (सहखातेदार) (क्रेता फरीक दोयम)।

इन्दरजीत

इन्दरपाल रविन्द्र रवि



Rajkumar



07 FEB 2008
 स्टांप नं. 28 15000
 स्टांप नं. 28 15000
 स्टांप नं. 28 15000

24/3/08
 24/3/08 - 24/3/08

निवासी श्रीराम जी
 पेशा डोम डोम व्यापार
 पता गुगल पुर
 पता बरवा सिध
 पता गिरवार सिध
 पता गजपा बाबू बाबू

रजिस्ट्रार
 7/3/08
 रजिस्ट्रार

शिवरं

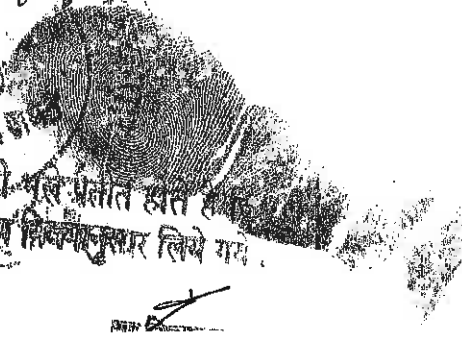
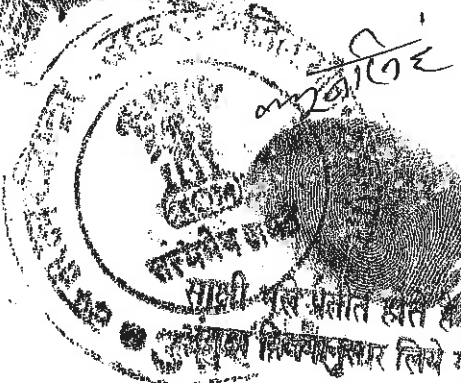


रति

Raj Kumar



रजिस्ट्रार



7/3/08



3

विदित हो कि कृषि भूमिधरी के चकबन्दी के आकार पत्र 45 के अनुसार खाता नं० 356 के खेत नं० 27स रकबा 0.4300 हैक्टेयर लगानी रुपये 09=80 पैसे सालाना में से बकिया रकबा 0.0716 हैक्टेयर सम्पूर्ण भूमि को बैनामा हाजा में बेचा गया है स्थित ग्राम चमरावली रामगढ़, परगना व तहसील दादरी, जिला- गौतमबुद्धनगर, जिसका फरीक अव्वल एकमात्र मालिक व संक्रमणीय भूमिधर स्वामी है। जोकि आज दिन तक फरीक अव्वल की ओर से हर प्रकार के भार, बंधक आदि से पाक साफ व सुरक्षित है। यानि कि किसी भी स्थान पर आड़, रहन, बय, हिबै, माहदाबय, जमानत आदि से ग्रस्त नहीं है तथा उपरोक्त भूमि की बाबत किसी भी न्यायालय में कोई वाद विवाद विचाराधीन नहीं है तथा फरीक अव्वल के अतिरिक्त अन्य कोई व्यक्ति

बेन्दगीत



इन्दुपल शिवेंद्र री



नी राकेश



Raj Kumar



कार्यालय स. व. कोषागार
 ८/२२/८१

07 FEB 2008

स्ताप नं. १७ १५०००

स्ताप नं. २२ १५०००

शामिल किया गया

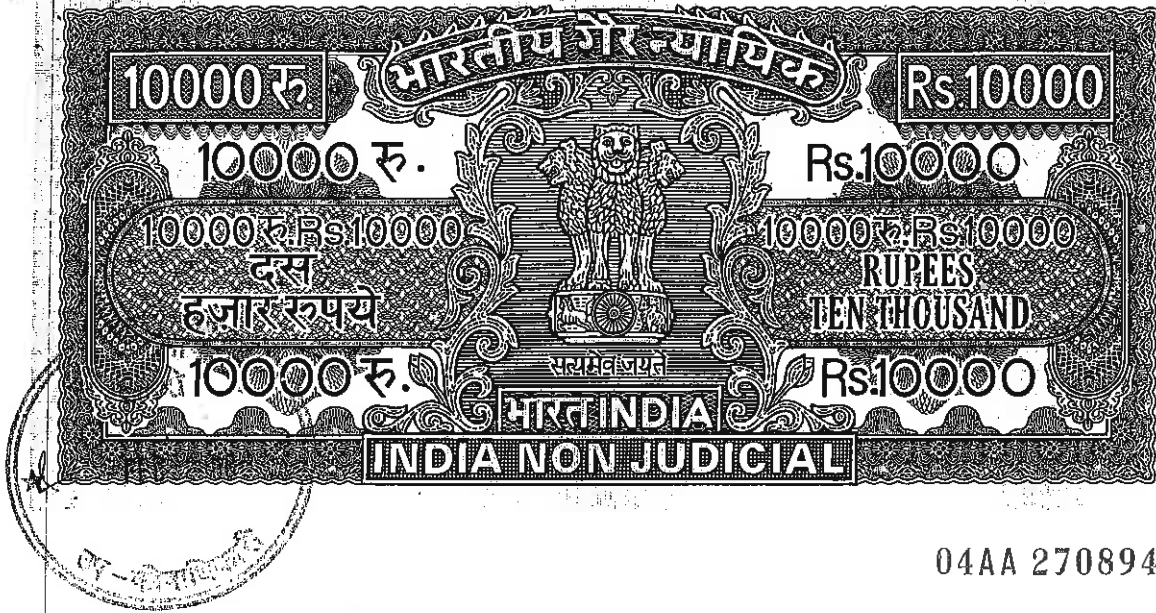
उप रिकार्डिया

१५५५५५ १५०

१५५५५५ १५०००

१५५५५५ १५०००





4

हकदार या हिस्सेदार नहीं है। कोई कारण बाधा का उपरोक्त भूमिधरी भूमि को विक्रय करने में नहीं आता है। अतः फरीक अव्वल ने अपनी समस्त शुद्ध बुद्धि व स्थिर चित्त की दशा में खूब सोच समझ कर बिना किसी दबाव व बहकाव के उक्त भूमि को सर्व अधिकार सहित आज की बजार कीमत के बदले अंकन रुपये 7,25,000/- (सात लाख पच्चीस हजार रुपये मात्र) जिसके आधे अंकन रुपये 3,62,500/- होते हैं में इसी समय से हाथ उपरोक्त फरीक दायम को बेच दी तथा कतई वय कर दी तथा समस्त विक्रीतधन अर्थात् भूमि की कुल कीमत निम्नलिखित अनुसार प्राप्त करके बेची भूमि को कब्जे अधिकार अपने से फरीक दायम में देकर उस पर फरीक दायम को अपने ही समान मालिकाना मालिक काबिज व दखिल कर दिया है। अब बैय किये पश्चात विक्रीत भूमि के किसी भी अंश से फरीक अव्वल व वारिसान फरीक अव्वल का कोई वास्ता या ताल्लुक किसी भी किस्म

इन्दुजी



निशंकजी



इन्दुपाल शिवन्त रवि



Raj Kumar



पञ्जाब प्रान्त - उद्दिष्टागार

07 FEB 2008

स्थिति - 20 10000

स्थिति - 20

पञ्जाब प्रान्त - उद्दिष्टागार

रिप्लाय 1/0

3-11-52 - 111452

Case





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C 522963

5

का शेष नहीं रहा है तथा ना ही भविष्य में होगा। कब्जा मौके पर फरीक दोयम को बहैसियत मालिक पूर्ण रूप से करा दिया है। अब आज की तारीख से ही फरीक दोयम को सर्वथा हक व अधिकार होगा कि वह खरीदकर्ता कृषि भूमिधरी को जिस प्रकार चाहे प्रयोग मालिकाना अपने में लाकर चाहे जिस प्रकार से मालिकाना लाभ उठावें। यदि विक्रीत भूमि का कोई अंश किसी भी नुकश कानूनी कमी आदि के कारण से कब्जे मालिकाना क्रेता फरीक दोयम से निकल जावेगा या कब्जा फरीक दोयम को न मिले या फरीक अव्वल मालिकाना मालिक हस्ताक्षरकर्ता सिद्ध न हुआ या अन्य किसी कारण से कब्जे मालिकाना फरीक दोयम से कुल या आंशिक रूप से निकल जावेगी तो हर ऐसी दशा में फरीक दोयम को हक होगा कि वह उस समय की बजार कीमत को जिस प्रकार चाहे बजरिये अदालत फरीक अव्वल व वारसान फरीक अव्वल की अन्य चल व अचल सम्पत्ति से वसूल कर लें तो कोई ऐतराज नहीं होगा। दाखिल खारिज बेची भूमिधरी का बनाम

२०२०/११

इन्दपाल

रविन्द्र

रवि

निर्दिष्ट

Rajendra Kumar

31-
7/4/00
प्रमाण करी का प्रमाण
प्रमाण लेता का काय व प्रमाण
प्रमाण की प्रमाण

21/4/00 को प्रमाण लेता का काय व प्रमाण

प्रमाण करी का प्रमाण
का. नं. 9- वर्ष 31-3-2000
प्रमाण करी का प्रमाण
प्रमाण लेता का काय व प्रमाण
प्रमाण की प्रमाण





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C 523243

6

फरीक दोयम के करा दूंगा या फरीक दोयम इस विक्रय पत्र के आधार पर सरकारी अभिलेखों में अपना नाम स्वयं दर्ज करा लें तो कोई ऐतराज नहीं होगा। विक्रीत भूमि कृषि भूमि है तथा आस-पास भी कृषि भूमि है।

विवरण धन अदायगी :- अंकन 7,25,000/- रुपये पेशगी फरीक अव्वल (विक्रेता) ने फरीक दोयम (क्रेता) से प्राप्त कर लिये। अब कोई पैसा विक्रेता का क्रेता की ओर बाकी नहीं रहा है।

उपरोक्त लिखित दस्तावेज फरीक अव्वल व फरीक दोयम की जानकारी के आधार पर तैयार की गयी। दस्तावेज पर चस्पा फोटो गवाहों के कथन पर सत्यापित है।

इन्दुजीत

इन्दुपाल शिविन्द रवि



32- 7/2/08
3) ~~सामान्य विभाग की विधि~~
सामान्य कार्य करने का प्रयोजन *dem*
सामान्य विभाग का भाग में कार्य करना *21/2/08*
सामान्य कार्य विवरण *1000*

बसोकर कुमार स्टाम्प विभाग *20/2/08*
खा. नं. 9- अवधि 31-3-2008
सहायक कमिश्नर बाबरी (आ. प्र. विभाग)
विभाग काया 15000/-





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C 523244

7

अतः यह विक्रय पत्र कतई लिख दिया कि प्रमाण रहे और वक्त पर काम आवे। इति॥

इन्दजीत

इन्दुपाल

रविन्द

रवि



गवाह - 1 हरिप्रसाद

हरिप्रसाद श्री काम प्रकाश
नरुतगलपुर

गवाह - 2

रविन्द्र प्रसाद श्री काम प्रकाश
नरुतगलपुर

07/02/08

तारीख 07-02-2008 ई0 मसौदाकर्ता राधेश्याम अग्रवाल, बैनामा
लेखक, दादरी (गौतमबुद्धनगर) लाइसेन्स नं0-1

बैनामा लेखक ला.न.-1
तहसील-दादरी (गौतमबुद्धनगर)

33 7/2/08
 3) ~~स्वाम्य विवाद की दिश~~
 स्वाम्य कर के का प्रमाण ~~...~~
 स्वाम्य कर का नाम ~~...~~
 स्वाम्य कर का नाम ~~...~~

स्वाम्य कर के लिए स्टाम्प ~~...~~
 नं. 1-2-200 0
 नं. 1-2-200 0
 नं. 1-2-200 0

भाषा ~~...~~ 7/2/2008
 प्राप्ति पुस्तिका संख्या ~~...~~ 1058
 के पृष्ठ ~~...~~ 64 पर क्रम संख्या 1058
 पर रजिस्ट्रीकृत किया गया।

उप निबन्धक
 दादरी

